प्रो. (डॉ.) अभिजात चन्द्रकांत शेठ, अध्यक्ष
Prof.(Dr.)Abhijat Chandrakant Sheth,
Chairman

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग
पॉकेट-14, सेक्टर-8, द्वारका फेज-1
नई दिल्ली-110077

अपील

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

14 सितंबर 1949 को हिंदी को भारत संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया तथा 26 जनवरी 1950 को लागू भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 में हिंदी को देवनागरी लिपि के साथ संघ सरकार की राजभाषा का दर्जा दिया गया। तभी से प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

किसी भी देश की राजभाषा उसके गौरव एवं पहचान की प्रतीक होती है। हिंदी आज न केवल भारत की जनसंपर्क की भाषा है, बल्कि विभिन्न धर्मों एवं संस्कृतियों के लोगों को एक सूत्र में पिरोने का माध्यम भी है। आज पूरा विश्व हिंदी के महत्व को समझ रहा है और हमारी भाषा एवं संस्कृति की ओर आकर्षित हो रहा है। वास्तव में भाषा ही विचारों के आदान-प्रदान का सशक्त साधन है और हिंदी ने इस आवश्यकता को पूर्णतः सिद्ध किया है।

मुझे यह कहते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग में हिंदी के कार्य में निरंतर सराहनीय प्रगति हो रही है, जिसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। इस वर्ष भी आयोग में *14 से 30 सितंबर, 2025* तक हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य कार्यालय में कार्यरत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना है।

मैं आप सभी से अपील करता हूँ कि हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लें और इसे सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

हिंदी दिवस के इस अवसर पर आइए हम सब यह संकल्प लें कि अपने दैनिक कार्यों में यथासंभव हिंदी का प्रयोग करेंगे तथा राजभाषा हिंदी के संवर्द्धन एवं प्रयोग को केवल प्रशासनिक आवश्यकता न मानकर भाषाई अस्मिता और सांस्कृतिक दायित्व के रूप में पूर्ण निष्ठा से निभाएँगे।

अभिजात शेठ

14 सितंबर, 2025

प्रो. (डॉ.) अभिजात चन्द्रकांत शेठ